राज कॉमिक्स

मूल्य 8.00 संख्या 651

कांव-कांव

क्रो सीरीज

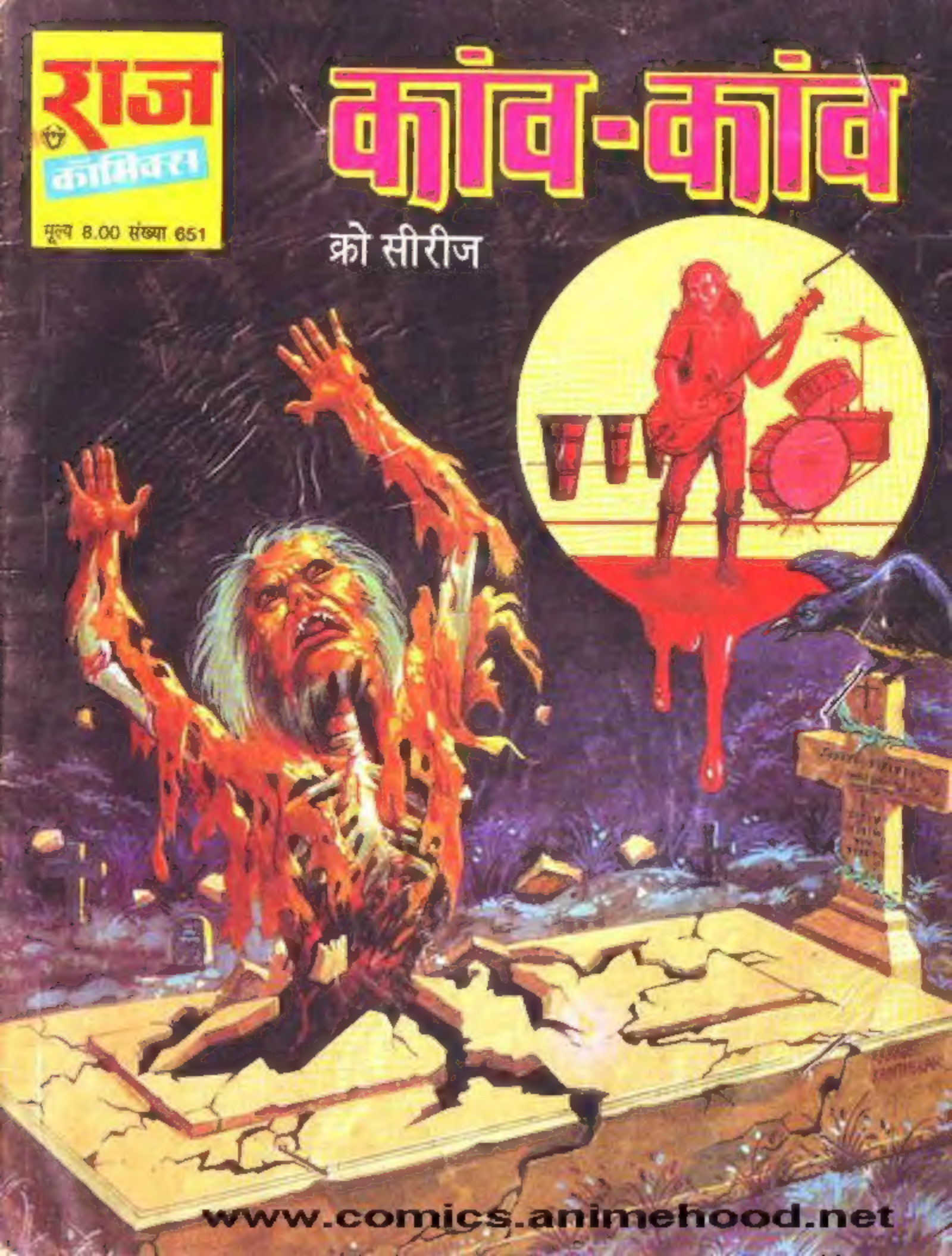

www.comics.animehood.net

कांव-कांव

की सीरीज

लेखक :- तरुण कुमार वाही

चित्रांकन व रेग सज्जा- मोहन

सम्पादन :- मनीष गुप्ता

इच्छाएं।
जो इन्सान के जन्म के बाद उसमें जन्म लेती हैं--

मासूम बच्चों से लेकर सौ साल के बूढ़े की भी इच्छायें हो सकती हैं-

और बहुत भाग्यशाली होते हैं वे लोग जिनकी सभी इच्छायें पूरी होती हैं--

लेकिन अगर कोई इन्सान अतृप्त इच्छा 'मन' में लिये इस संसार से कूच कर जाये तो--

... तो पढ़िये खून में चीटियां दौड़ाने वाला ये कॉमिक-

© Raja Pocket Books

रूप नगर की बरसात की एक रात-
हम गरीबों के लिए बरसात, सर्दी और गर्मी का कोई मतलब नहीं।
जिस दिन रेहड़ी लेकर न निकलें, उस रात भूख सब कुछ भुला देती है।
भूख भी कई तरह की होती है। जैसे जुर्म की भूख-
धन्धे पानी का कोई मतलब नहीं। जिस दिन दांव लग गया, अपने पेट का इंतजाम हो जाता है। क्यों भूरिया?
ठीक कहता है काले!
और अगर दांव यहां नहीं तो कहीं और तो लग ही जाता है। हा... हा... हा।
वो देख बठगड़, क्या ख्याल है? पत्ते उलटने से पहले भूख का इन्तजाम भी कर लें।
मगर रुपये तो सबके दांव पर लगे हैं और पत्ते हमने अभी उल्टे नहीं हैं।
तुम आओ तो सही।

तेज बरसात के थपेड़े उस फ्रूट सेलर के चेहरे पर और तेजी से पड़ने लगे –
क्यों? ये अंगूर खट्टे हैं या मीठे?
वैसे दिये तो खट्ठे, नहीं तो मीठे।
तब तो मीठे हैं।
हा..हा..हा।
जाने दो भैया! आज बरसात के कारण वैसे भी नुकसान हमारा ज्यादा हुआ है।
अबे, हम क्या तेरे बाप की औलाद हैं जो हमें भैया कह रहा है।
जल्दी कर काले! समेट जितने फ्रूट समेटने हैं।
अनन्नास बहुत पसन्द है मुझे।
तेरे पास क्या है बे? निकाल।
रहम करो भैया, जाने दो।
अबे जाने तो हम तुझे देंगे ही। तेरा क्या अचार डालना है।
चल। एक दांव और खेल लूंगा।
नहीं! मेरे पैसे मत छीनो।

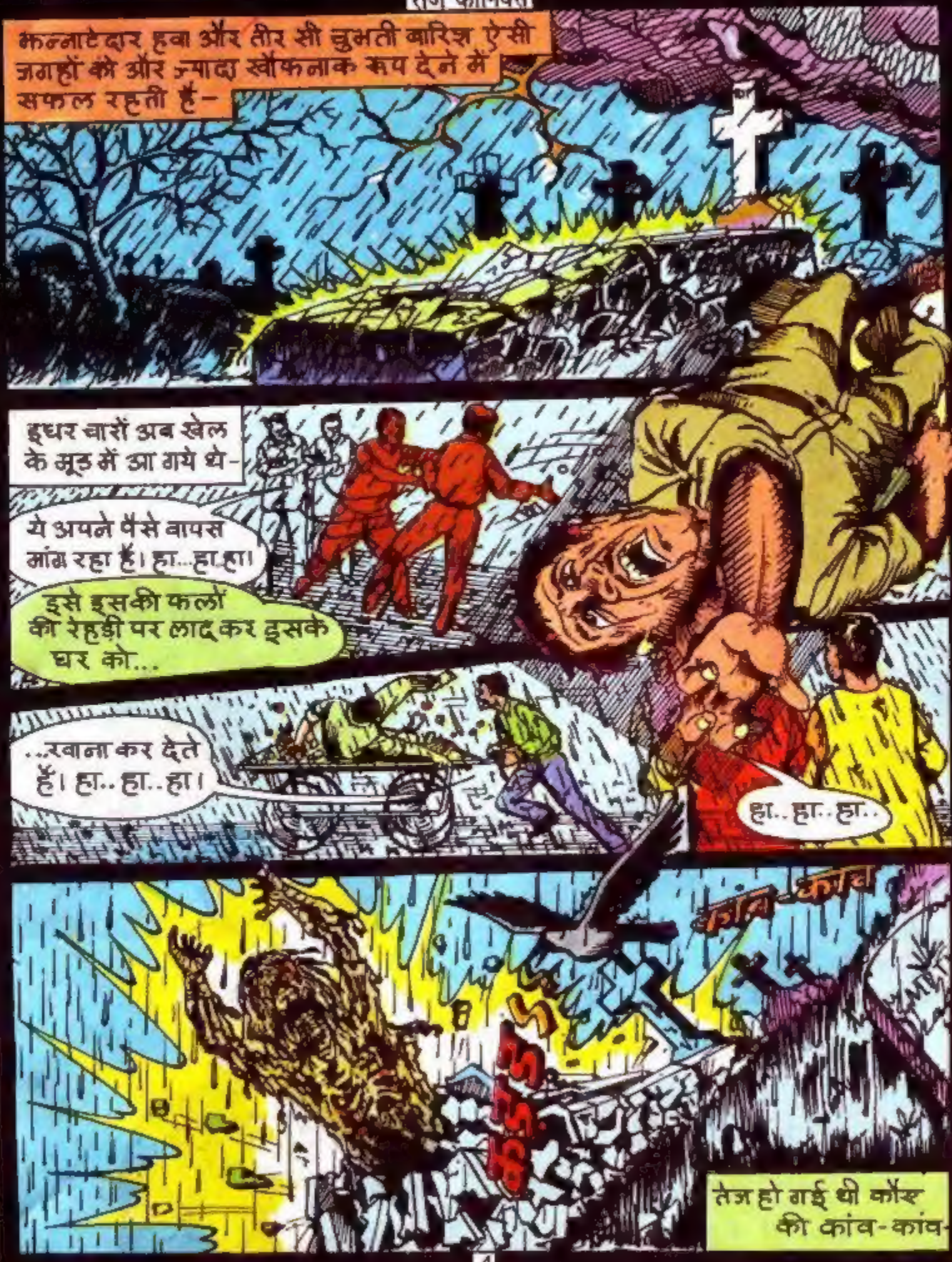
कन्नाटेदार हवा और तीर सी चुभती बारिश ऐसी जगहों को और ज़्यादा खौफनाक रूप देने में सफल रहती है-
इधर चारों अब खेल के मूड में आ गये थे-
ये अपने पैसे वापस मांग रहा है। हा...हा.हा।
इसे इसकी फलों की रेहड़ी पर लाद कर इसके घर को...
...रवाना कर देते हैं। हा..हा..हा।
हा..हा..हा..
कांव
कांव
तेज हो गई थी कौए की कांव-कांव

इधर ढलान पर फिसलतीआ रही रेहड़ी का एक पहिया उस खुले गटर के रास्ते में था तभी –

आगे बढ़ने को उठे कदम उठे ही रह गए –

किसी गड़बड़ी की आशंका से फुर्ती के साथ पलट गये थे मूरिया व कालें तभी –

दुर्घटना की आशंका से त्रस्त फ्रूट सेलर की आंखें अचरज से फट गई थीं –

कांव-कांव

बहुत ही कर्कश स्वर में चीख उठा था वह कौआ-

लगातार छः घन्टों से उस इमारत में गूंज रही थी गिटार की आवाज-
जुनून सा सवार हुआ पड़ा था गिटारिस्ट पर-
गिटार वादक एंथोनी-
और उस वक्त दांत भींचकर चिल्ला पड़ा वह-
डैम इट।
रिलेक्स एंथोनी!
रिलेक्स पापा!
चौंककर सिर उठाया उसने-
अरे! तुम दोनों यहां कब से खड़े हो?
यही कोई पिछले तीन घन्टे से। क्यों मम्मी?
हां, और इस बीच तुमने एक गिलास पानी तक नहीं पिया है।

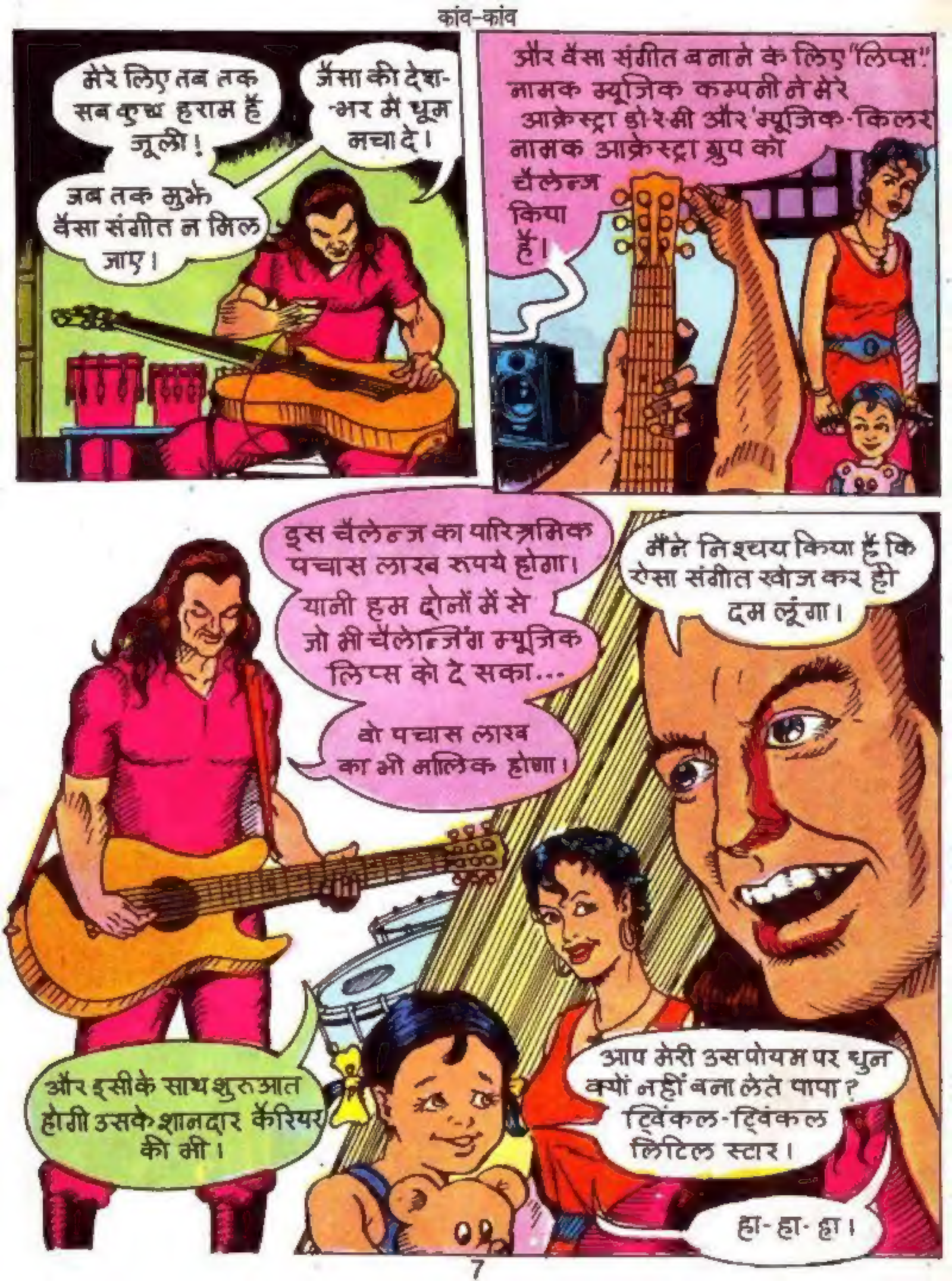
मेरे लिए तब तक सब कुछ हराम है जूली!
जैसा की देश-भर में धूम मचा दे।
जब तक मुझे वैसा संगीत न मिल जाए।
और वैसा संगीत बनाने के लिए "लिप्स" नामक म्यूजिक कम्पनी ने मेरे आक्रेस्ट्रा डो-रे-मी और 'म्यूजिक-किलर' नामक आक्रेस्ट्रा ग्रुप को चैलेन्ज किया हैं।
इस चैलेन्ज का पारिश्रमिक पचास लारब रुपये होगा।
यानी हम दोनों में से जो भी चैलेन्जिंग म्यूजिक लिप्स को दे सका...
वो पचास लारब का भी मलिक होगा।
मैंने निश्चय किया हैं कि ऐसा संगीत खोज कर ही दम लूंगा।
और इसीके साथ शुरुआत होगी उसके शानदार कैरियर की भी।
आप मेरी उस पोयम पर धुन क्यों नहीं बना लेते पापा? ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार।
हा-हा-हा।

कहते हैं कि काला, कुरूप व गन्दा सा वो कौआ अगर किसी की छत पर बैठ कर अपने कर्कश स्वर में कांव-कांव चिल्लाये तो उसके घर मेहमान का आगमन होता है

कांव कांव कांव

लेकिन अगर कौआ घर में ही घुस आये तो –

कांव कांव कांव

ये ऐसे नहीं भगेगा झूली इसे मैं अपनी शार्प गन के शॉट्स से भगाता हूं।

उफ! ये कौआ कहां से घुस आया अन्दर?

कांव कांव कांव

मैं भगाती हूं इसे।

मम्मी! इसे पकड़ कर पिंजरे में बन्द कर लेते हैं।

उफ! लगता है यह तुम्हारे संगीत को चैलेन्ज देने आया है रंग्योनी!

कांव कांव

दिमाग की नसों में तीव्र गति से दौड़ता लहू उस एक शब्द से तुरन्त रिलैक्स की मुद्रा में आ गया था –
चैलेन्ज !
कांव कांव कांव कांव
और दूसरे ही क्षण –
हे ssss मिल गया ! मिल गया वो संगीत, जिसकी मुझे तलाश थी।
जूली ! मारिया ! इस कौए की बदौलत मुझे मिल गया वो चैलेन्जिंग संगीत।
अब तुम देखना मेरे जलवे ! हा.. हा.. हा.
अरेरेरे ! संभल कर।
मम्मी ! पापा ! कौआ बाहर निकल गया !
काश मैं इस कौए को रोक सकता ताकि जब मेरा संगीत हिट होता तो मैं इसे मोती खिला पाता !

तभी चीख पड़ी नन्ही मारिया–

पापा! जल्दी आइये पापा! कौए को चील मार रही है।

कौए पर जबरदस्त आक्रमण किया चील ने–

कांव कांव कांव कांव

शैतान चील! तुझे कौए से दुश्मनी बहुत महंगी पड़ेगी!

धांय

किंऽऽईऽऽ

किंऽऽऽई

खत्म

मजबूत का निशाने बाज था संथोनी–

कांव कांव कांव

कांव कांव कांव कांव कांव कांव

नीचे गिरकर बुरी तरह छटपटाने लगा था कौआ--

पापा! क्या ये मर जायेगा?

नहीं, इसे कुछ नहीं होगा! मेरे नये संगीत की प्रेरणा है ये।

इसे अन्दर ले चलो एंथोनी। इसके घावों को दवा की जरूरत है।

कांव कांव

और फिर-

घबराओ नहीं। अब तुम बिल्कुल अच्छे हो जाओगे।

कांव कांव

पापा! अब मैं इसे कहीं नहीं जाने दूंगी। ये मेरे साथ खेलेगा।

यह अभी पूरी तरह से नहीं उड़ पा रहा। इसके पंख क्षति ग्रस्त हो गये हैं।

ये जरूर ठीक होगा।

मम्मी! हम इसका नाम क्रिस रखें?

वैरी गुड नेम मारिया।

और फिर जबरदस्त उत्साह के साथ एंथोनी जुट गया उस धुन को पूरा करने में --

वैस्टर्न म्यूजिक की दुनिया में हंगामा मचा देगा ये क्रो संगीत।

टिंग ss टिन्न

यह समय था धुन की रिकार्डिंग का–
वाह! गजब का ये संगीत है ये तो।
!!
उधर उस कक्ष में प्रवेश करती मारिया चीख पड़ी–
मम्मी! मम्मी! प्रिंस! प्रिंस उड़ गया मम्मी!
प्रिंस उड़ गया? नहीं! यह नहीं हो सकता।
और तभी–
कांव कांव कांव
देखा! वापस आ गया ना तुम्हारा प्रिंस! अब तो यह थोड़ा-थोड़ा उड़ने भी लगा है।
इधर चेहरे पर सफलता की मुस्कान लिये रंधावा ने मशीन से कैसेट निकाली–
मास्टर 'स्पूल' से डब की गई इस कैसेट को 'सबमिट' करवाने की आखिरी तारीख भी आज ही है।

म्यूजिक किलर—

नहीं! ऐसा नहीं हो सकता मैंने बहुत मेहनत की है अपने संगीत को बनाने में।

लेकिन म्यूजिक किलर! निसन्देह डो-रे-मी का संगीत आपकी संगीत रचना से कहीं उत्कृष्ट है।

और जानते हैं सर, उसे इस संगीत की प्रेरणा कहां से मिली? एक कौए से।

लेकिन हां, तब उत्कृष्ट है हमारा संगीत जबकि 'एंथोनी का क्रो' संगीत हमारे संगीत का रास्ता न काटे।

म्यूजिक किलर! अगर 'क्रो' संगीत 'लिप्स' को पसन्द आ गया तो हम सब का भविष्य अधर में लटक जायेगा।

क्योंकि 'लिप्स' में हमारे संगीत को स्वीकृति के बाद हमें कई और बड़े-बड़े म्यूजिक कान्ट्रेक्ट मिल सकते हैं।

फिर हम सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे हमारे काम को फायनेन्स करता है बलवन्त –

मुझे भी जबरदस्त फायदा होता है 'म्यूजिक किलर' से।

साइकल टैक्सन ऐसे पॉप सिंगर व डांसर के कारण भारी भीड़ उमड़ पड़ती है हमारे हर 'शो' में –

♫ आई एम द स्ट्रीट डांसर ....♫

बूचर जिसके कारण 'शो' पर लगा हमारा पैसा कभी डूबता नहीं –

किसकी हिम्मत है कि वो म्यूजिक किलर को शो के लिए अरेन्ज करे और फिर समय पर पैसा न दे।

और मैं प्रभुदयाल जो अपनी छोटी ही सही संगीत कम्पनी H.M.T. के जरिये तुम्हारे संगीत के ऑडियो कैसेट्स तैयार करके उन्हें देश भर में लाभ देता हूं।

फिर जितना पैसा 'लिप्स' हमें दे रही है, उससे कैसेट बिके या न बिके हमारा भाग्य तो खुल जायेगा।

तुम खुद आर्गेनाइजर हो, म्यूजिक किलर की जीव तुमने ही रखी है।

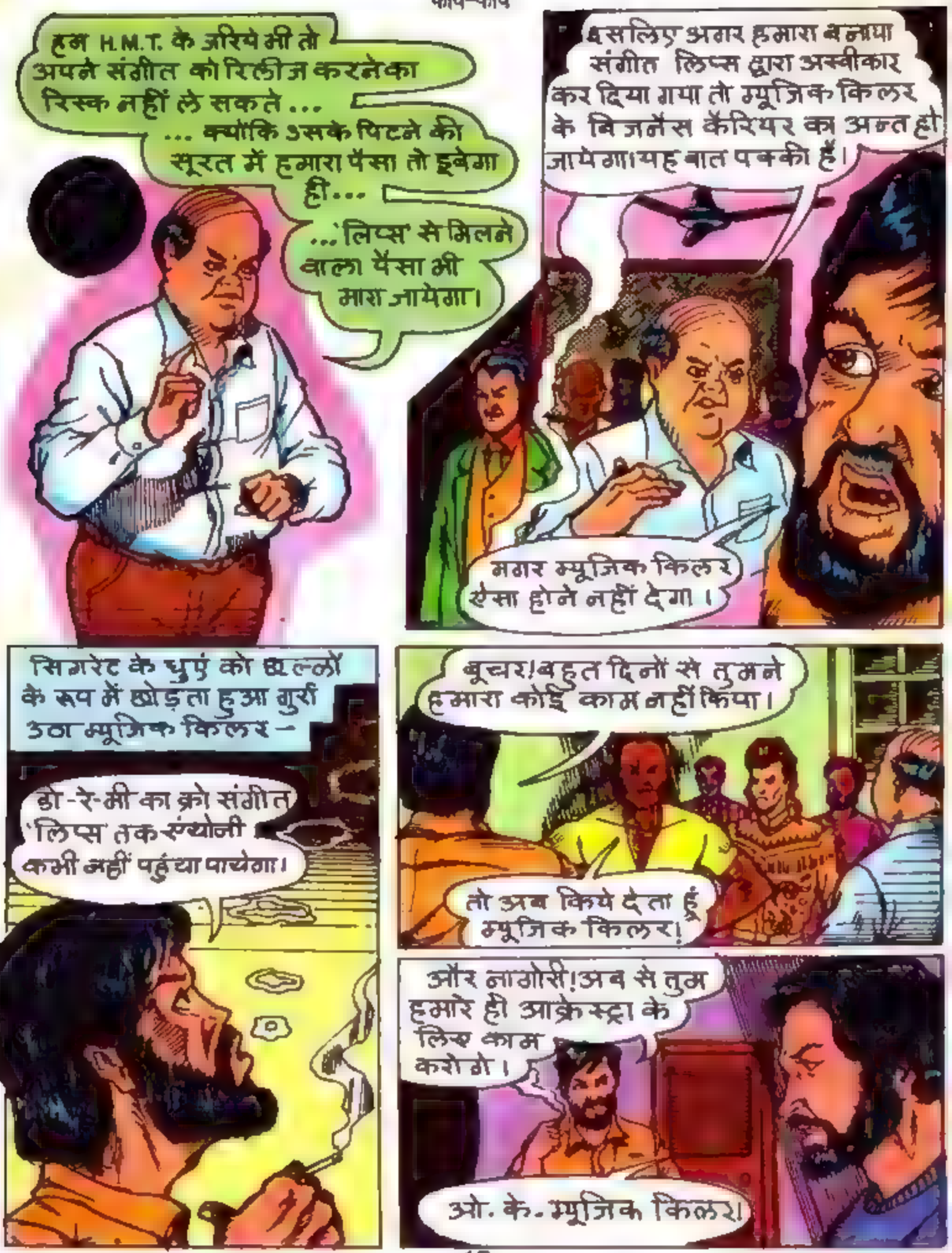
हम H.M.T. के जरिये भी तो अपने संगीत को रिलीज करने का रिस्क नहीं ले सकते...
... क्योंकि उसके पिटने की सूरत में हमारा पैसा तो डूबेगा ही...
...'लिप्स' से मिलने वाला पैसा भी मारा जायेगा।
इसलिए अगर हमारा बनाया संगीत लिप्स द्वारा अस्वीकार कर दिया गया तो म्यूजिक किलर के बिजनेस कैरियर का अन्त हो जायेगा। यह बात पक्की है।
मगर म्यूजिक किलर ऐसा होने नहीं देगा।
सिगरेट के धुएं को छल्लों के रूप में छोड़ता हुआ बुरी तरह म्यूजिक किलर –
डो-रे-मी का क्रो संगीत 'लिप्स' तक रंचमात्र भी कभी नहीं पहुंचा पायेगा।
बूचर! बहुत दिनों से तुमने हमारा कोई काम नहीं किया।
तो अब किये देता हूं म्यूजिक किलर!
और नागोरी! अब से तुम हमारे ही आर्केस्ट्रा के लिए काम करोगे।
ओ. के. म्यूजिक किलर!

उधर जूली ने रवाना किया एंथोनी को –
जीसस सफलता को तुम्हारे कदमों में लाकर डाल देगा एंथोनी!
और यह सब होगा हमारे प्रिंस के कारण!
कांव कांव
धड़ाम
मगर ये प्रिंस अचानक इतना शोर क्यों मचा रहा है?
कांव
कांव
अपने कमरे में पहुंचते ही थरथरा गई मारिया –
उफ! शैतान बिल्ली।
कांव कांव
म्यांउ
म्यांउ
चल दूर हट शैतान बिल्ली।

प्यारे प्रिंस अब मैं तुझे इस तरह खुला नहीं रहने दूंगी। जब तक कि तुम पूरी तरह से उड़ने के काबिल न हो जाते।

इसीलिए ये पिंजरा मैंने तुम्हारे लिये बनवाया है।

कांव

उफ। तुम्हारी कांव-कांव, कानों में रूई ही डाल लेती हूं मैं तो।

कांव कांव

और उधर उससे पहले कि दरवाजा बन्द कर पाती जूली...

और-

कौन हो तुम?

मम्मी!

जानने वाले मुझे बूचर के नाम से जानते हैं क्योंकि एक बार मैंने दो मासूम बच्चों के सिर काट दिये थे। ले आओ छोकरी को भी।

धड़ाम

धमाके के साथ जूली से आ टकराया दरवाजा-

बेचैनी से पंख फड़फड़ा रहा था पिंजरे में प्रिंस-

शहर की भीड़ भरी सड़कों से निकलकर अब स्पेंथोनी पहुंच चुका था हाईवे पर—
आज तो एक-एक मिनट बिताना मुझे भारी पड़ रहा है!
उड़ से उड़ अपना को म्यूजिक में 'लिप्स' को सुना देना चाहता हूं!
अपनी कल्पनाओं की दुनिया से बाहर निकला स्पेंथोनी—
क्योंकि हकीकत की दुनिया से उसका सामना होने वाला था—
मुंह से बिना एक शब्द निकाले बुंडे ने एक तस्वीर को विंड स्क्रीन पर इस तरह चिपका दिया...
...कि वो अन्दर बैठे स्पेंथोनी को ही दिखती.. जिसे देखते ही स्पेंथोनी के मस्तिष्क में चीटियां सी दौड़ने लगीं—
जूली, मारिया, उफ!

ऐ रुको, ठहरो!
बाज की तरह झपट कर उस तस्वीर को उतार लिया एंथोनी ने –
क्रो संगीत का मास्टर स्पूल लेकर नीचे
दिये गये पते पर मिलो। और ध्यान रहे...
पुलिस को इन्फार्म करने की तुम्हारी कोशिश जीवन भर का पछतावा बन सकती है।
ओह, तो यह काम म्यूजिक किलर ग्रुप का है।
मगर मेरे ग्रुप के अलावा अभी किसी को क्रो संगीत के बारे में पता नहीं है।
जरूर मेरे ग्रुप का कोई आदमी म्यूजिक किलर से मिल गया है।
मगर कौन ?
कार वाकस मोड़ने पर विवश हो गया था वह –
संगीत मेरी जान है तो गूली और मारिया मेरी सांसें।
मुझे उन्हें बचाना होगा।

फिर मास्टर स्पूल लेकर जैसे ही चलने लगा रंथोनी –

कांव कांव

ओह! तुझे यहां जरूर मारिया ने बन्द किया होगा।

कांव कांव

कांव कांव

तू अपना यहां ध्यान रखना प्रिंस क्योंकि मैं जहां जा रहा हूं पता नहीं वहां से जिन्दा भी लौट पाऊंगा या नहीं।

तेज कदमों से बाहर निकल गया रंथोनी –

कांव

अगर तेरे नसीब में मेरे हाथों से मोती खाना लिखा होगा तो ही वापस आ पाऊंगा।

रंथोनी का दूर तक पीछा करती चली गई प्रिंस की निगाहें –

MUSIC KILL
म्यूजिक-किलर तुम्हारा यहां स्वागत करता है एंथोनी मास्टर स्पूल कहां है?
मास्टर स्पूल मेरे पास है म्यूजिक किलर। जूलरी और मारिया कहां है?

तुरन्त स्टेज का अंधेरे में डूबा एक कोना रोशन हुआ—
संभोनी!
पापा!
भूली, मारिया, पछताओ नहीं, मैं जा रहा हूं। कुछ नहीं होगा तुम्हें।
पापा, ये लोग बहुत गन्दे हैं।
तुम यहां क्यों आए थे संभोनी! ये मास्टर स्पूल तुम्हारी जिन्दगी है। चले जाओ संभोनी, भाग जाओ।
अरे! मेरी जिन्दगी तो तुम हो। तुम रहोगे तो न जाने कितने और क्रो संगीत मैं बुन लूंगा।
म्यूजिक किलर। यह लो क्रो संगीत का मास्टर स्पूल। और छोड़ दो मारिया को।
इतनी भी क्या जल्दी है, संभोनी! पहले ये पता तो लग जाए कि यह क्रो संगीत वाला ही स्पूल है।
इसे सैट करो मैक।

तभी-
यह क्या हरकत है म्यूजिक किलर?
यह हरकत करने पर हम मजबूर हैं एंथोनी!
यह धोखेबाजी है म्यूजिक किलर!
प्यार और व्यापार में सब कुछ जायज है।
एंथोनी! अपनी बीवी और बच्चों के साथ अन्तिम यात्रा पर जाने से पहले हम तुम्हें एक संगीत अवश्य सुनायेंगे।
जिसे सुनते हुये ही तुम मरोगे। क्योंकि हैडफोन्स के जरिये तुम्हारे कानों को आवाज की उच्च फ्रीक्वेंसी..
असहित की जाएगी, जोकि तुम तीनों के मस्तिष्क की नसों को झनझना कर...
...तुम्हें एक संगीतमय मौत देगी।
हा..हा हा

शुरू हो गया क्रो संगीत—

म्यूजिक किलर! तुझे जो करना है मेरे साथ कर। जूली और मारिया को छोड़ दे कमीने।

मैं तुमसे कह रही थी कि मास्टर स्पूल मत सौंपो।

प्रभुदयाल! कमीने छोड़ दे उसे। अपने आखिरी वक्त में लोग भगवान का नाम जपते हैं और तू गालियां बक रहा है।

ओह!

मम्मी!

बलवन्त ने आवाज की फ्रीक्वेंसी और बढ़ा दी—

हा..हा..हा। थोड़ी देर में ही तुम्हारे दिमाग की नसें फट जाएंगी।

बंधनों को तोड़ने के लिए उसने अपनी सम्पूर्ण शक्ति लगा दी—

पापा

मारिया! मेरी बच्ची। उफ!

लेकिन हाथ लगी असफलता

बेबसी पर ठहाके उबल रहे थे शैतानों के गले से-

क्रो संगीत सच मुच लाजवाब दिया है तुमने रंभौनी! मैं कायल हो गया तुम्हारे फन का।...

लेकिन तुम सब का मरना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि इस क्रो संगीत पर अब डो-रे-मी की नहीं बल्कि...

KILLER

...म्यूजिक किलर की मोहर लगेगी।

MUSIC

बेहोश हो कर झूल गई थी मारिया-

टिंयूंग... टिन्न

जबरदस्त ढंग से चीख मार कर बेहोश हो गयी जूली भी-

और तब-

कांव कांव कांव

जूली! नहीं जूली, नहीं! उफ़! अरे दरिन्दो बस करो।

किसी की निगाहें न गड़ी थीं प्रिंस पर जिसकी आंखों में सुर्खी आई हुई थी।

और ये सुरक्षा मौत की थी–
दुश्मनों को अच्छी तरह पहचान गया था वो कौआ–
कांव कांव कांव कांव
ओ sss आह
आह!
कांव कांव कांव
कांव कांव
ये...ये कौआ कहां से आ गया? उफ!

आऽऽऽऽ
आह ! मेरी आंख
साइकल टैक्सन अपने शरीर को लचका कर न केवल बच गया था बल्कि उसने कौए को जड़ दिया था घूंसा भी—
उफ़ ! ये तो कयामत की तरह आया है।
झपट कर आगे बढ़ी वो काली झलप और—
प...प्रिंस!
शाबास प्रिंस तोड़ दे सारी तारें।
अपनी तरफ से प्रिंस ने संथोनी के बंधन ही तोड़ने की चेष्टा की थी संयोगवश ही हैडफोन की वह तार आ गई थी उस की चोंच में

प्रिंस के चोंच के झटके से खिंच गई सभी तारें–
पलक झपकते ही यह सारा हंगामा मचा डाला था उसने–
और तब जैसे होश आया सबको, चीख पड़ा नागोरी–
खत्म कर दो इस शैतान कौए को! यह वही कौआ प्रिंस है जिसने एंथोनी को प्रेरणा दी थी।
नागोरी! कमीने, गद्दार।
दर्द से तड़प उठा एंथोनी–
प्रिंस भाग जा प्रिंस। ये दरिन्दे तुझे मार डालेंगे।
डुण्डा भरपूर तेज़ी के साथ टकराया प्रिंस की खोपड़ी से–
गुर्रा उठा म्यूज़िक किलर–
क्षीण होने लगी थी प्रिंस की सांसें–
नहीं! उफ़!
बूचर! इसे बाहर स्विमिंग पूल में डुबो दो।
प्रिंस के खून से नहा गया मंच–

और इधर पंथोनी को उसी अवस्था में फेंक दिया गया स्विमिंग पूल में –
गुलुप
गुलुप
मैं... मैं... लौटूंगा। ..मैं लौटूंगा।
गुलुप
चलो अब कोई खतरा नहीं है।
मेरे ख्याल में हमें इन सब लाशों को ठिकाने लगाने के लिए अपने इस हैडक्वार्टर को आग लगा देनी चाहिये।
जिसे हम बाद में इश्योरेंस से क्लेम कर लेंगे।
लेकिन अपनी आखिरी सांस उसने टूटने न दी –
प..प्रिंस
कांव
आग लगा दी गई –

प्रिंस के हल्के से प्रयास से ही मारिया को होश आ गया था। शायद यह कमाल था उस रुई का जिसे प्रिंस की कांव-कांव से छुटकारा पाने के लिए उसने अपने दोनों कानों में ठूंस रखी थी—

प्रिंस! कोशिश कर प्रिंस रस्सी खोल, या आग से जला दे वरना मैं और मम्मी दोनों जल जाएंगे।

मारिया का संकेत शायद समझ गया था प्रिंस—

शाबाश प्रिंस!

आजाद हो कर बाहर निकल आई थी वह प्रिंस के साथ—

आग... आग। मेरे मम्मी, पापा अन्दर हैं।

जूली में प्राण बाकी थे अभी। उसे फौरन अचेत अवस्था में हास्पिटल पहुंचाया गया। इधर एंथोनी की लाश बरामद कर ली पुलिस ने...

...और पूरी कानूनी कार्यवाही के बाद उसे दफना भी दिया गया—

प्रिंस की हालत में इलाज के बाद काफी सुधार था अब। और इधर कब्र पर मौजूद थी मारिया—

पापा! आपने कहा था कि मैं लौटूंगा आप तो कभी झूठ नहीं बोलते थे पापा! फिर आपने झूठ क्यों बोला?

लौट आइये पापा! मैं आपका इंतजार करूंगी।

क्या एंथोनी वापस लौट सका जानने के लिए पढ़ें प्रिंस को

क्रमशः